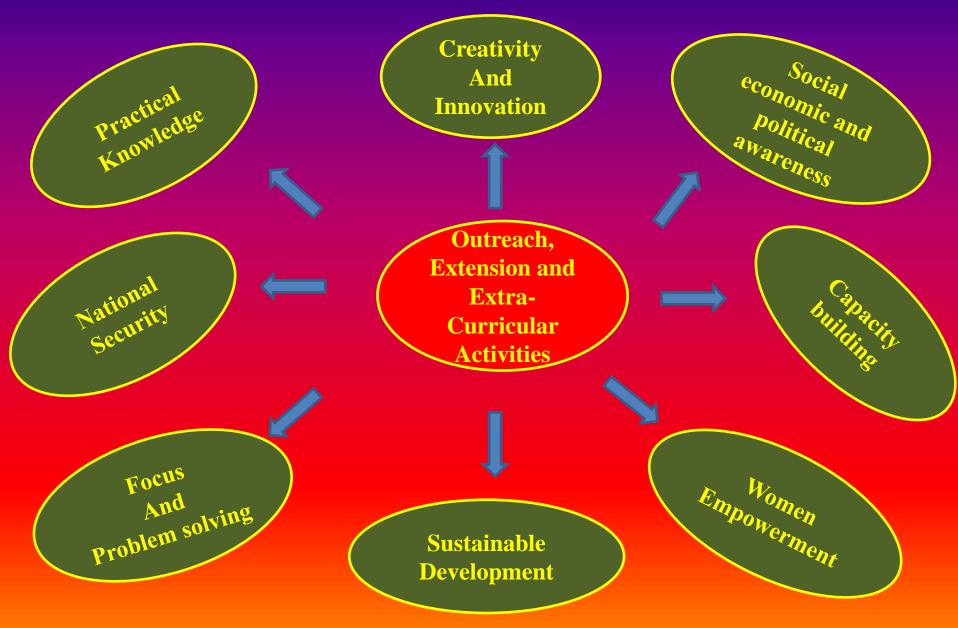
INSTITUTIONAL VALUES AND BEST PRACTICES



दढ़ राष्ट्रभक्ति पराक्रमश्च "Dridha Rashtrabhakti Parakramasch" (Staunch Patriotism and Valor)

A commitment to mentor the students to achieve excellence through holistic development and strive for fulfilment of the mission towards percolation of education to the economically and academically underprivileged and, to empower, enlighten and equip them to become responsible citizen.

Title of the Practice OUTREACH, EXTENSION AND EXTRA- CURRICULAR ACTIVITIES



Objectives of the Practice

- **❖** To induce social responsibility as general component of student behavior and thinking.
- **❖** To understand ecological, economic and political components of social responsibility.
- **To emphasize the importance of sustainable development as part of nation building.**
- To develop the resolution approach regarding complex social issues.
- **❖** To inculcate holistic understanding of national security.
- **❖** To promote development of team spirit and capacity building.
- **To infuse the importance of fundamental duties so as to create better citizens.**
- ❖ To propagate inclusivity as way of life so as to realize college motto दृढराष्ट्रभक्तिःपराक्रमश्च i.e. Staunch Patriotism and Valor.

Context

Most of the eastern U.P. and Bihar has poor socio-economic status and suffers from scarcity of affordable quality higher education institutions and Varanasi is an oasis in this context. So, student base of the college is provided by less aware yet aspiring sections of the society.

Therefore, raising their awareness and supporting their aspirations becomes our moral and ethical responsibility. Thus, our extension and outreach program focuses on enhanced awareness towards socio – economic problems and how their persistence is an obstacle for greater social good.

We believe that resolution of social problems can be done by inculcating the problem resolution approach, capacity building and provision of better economic empowerment in the community as they are linked with socio-economic well being. Therefore, we aim not only to develop better citizens in the service to the nation but also the harbingers of social change for sustainable and utilitarian development.

Practice

We have incorporated following practices towards realization of the objectives.

1. Women empowerment:

In order to promote the realization of equality of opportunity for women leading to their empowerment we have been conducting following activities:









• Women Education and Security Awareness Campaign









Physical Fitness camps





Beti Bachao Beti Padhao Awareness Campaign



Women Rights Awareness Campaign

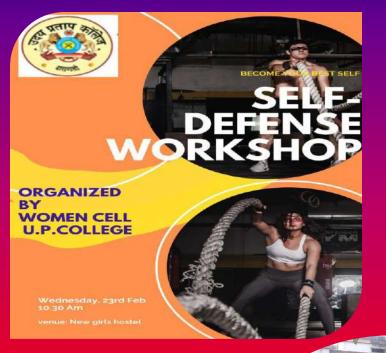








Self defense Training for Girls







Holistic health as core of balanced well being

The aim of the events organized under this paradigm is to make our students aware of the holistic health dimensions, so that they can lead a healthy life. This is also evident in the continuous excellence achieved by our students in various sports competitions.











Capacity building and Sustainable practices

Our outreach programs focus on inclusive community development

(Gram Vikas Rashtra Vikas) and towards this we have been conducting

following activities:

Rally on Read Banaras, Grow Banaras to promote reading among young kids



Outreach programs

Main themes of the Outreach Program

Bio-resources to solve food problems

- ✓ Mushroom cultivation and preservation
- ✓ Aquaculture
- ✓ Composite and integrated fish farming
- ✓ Bakery and food preservation

Main themes of the Outreach Program

- ✓ Fish & Fisheries
- Mushroom Cultivation
- ✓ Vermicomposting
- ✓ Organic Farming
- Beekeeping

Invited Speakers

- Dr. Govind Deo Mishra
 Director, Sadguru Agro Biotech Pvt. Ltd. Agro Park, Phoolpur, Varanasi.
- Mr. Pravin Srivastava
 Prokashi Farmer Producer Company Ltd. Varanasi

- Dr. Rashmi Singh
 Programme Coordinator, DBT Star College Scheme
 K. N. Govt. P. G. College, Gyanpur, Bhadohi
- Ms. Manisha
 Assistant Professor, Department of Home Science, DDU Govt. College,
 Sahajnawa, Gorakhpur

Organic farming, Vermicomposting, Food processing and preservation, Pearl culture,

Apiculture and Goat farming training and/or awareness programs for farmers and































उचित प्रबंधन से खाद्य पदार्थों के अत्यधिक उत्पादन पर चर्चा

वाराणसी। यूपी कालेज की ओर से तेलारी ग्राम मधूमखिया ब्लॉक बडागांव में किसानों को संगोष्ठी के माध्यम से आधनिक तकनीक द्वारा जैव संसाधन के आसान प्रयोग एवं उसके उचित प्रबंधन से खाद्य पदार्थों के अत्यधिक उत्पादन पर चर्चा कर प्रशिक्षित किया। डॉ गोविंद देव मिश्रा ने बटन मशरुम, ओएस्टर मशरुम एव मिल्की मशरूम की खेती के तकनीक की जानकारी दी। बताया कि मशरूम की उत्पादन कैसे बढ़ा सकते हैं और सीमित जमीन एवं संसाधन में इससे कैसे अपनी आय को बढ़ाया जा सकता है। बताया गया कि मशरूम समय से न बेचा गया हो तो बहुत जल्दी सड जाते हैं इसका उपाय है कि मश्ररूम को सुखा कर इसका पाउड़र बना ले और इसका इस्तेमाल सृप बनाने में किया जाए। सृखे हुए मशरूम की चाय, अचार, पाउडर आदि बनाया जा

एवं वेर्मिकम्पोस्ट फार्मिंग के नए तकनीक की जानकारी दी। पादप रोग विभाग के विभागाध्यक्ष

डॉ. आलोक कमार सिंह ने पौधों के विभिन्न रोगों एवं उससे होने वाली क्षति एवं उससे बचाव से

अवगत कराया। जंत विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. तुमुल सिंह ने मछली पालन पर चर्चा

की एवं किसानों को पोलीकल्चर के बारे में जानकारी दी। डॉ. सिंह ने भोजन में प्रोटीन की

महत्ता की जानकारी देते हुए बताया कि मछली के साथ साथ अगर मुर्गी और बतख पालन भी

किया जाए तो प्रोटीन मॉलन्युटिशन से निजात पाया जा सकता है। संचालन डॉ. संजय कमार

श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के

स्टार कॉलेज स्कीम द्वारा स्पॉन्सर किया गया है। इस प्रकार के कार्यक्रम से जहाँ किसानों के आय

के स्रोत बढेंगे वही गामीण क्षेत्रों की खाद्य समस्याओं का भी समाधान होगा।



सकता है और ये सेहत के लिए अत्यंत लाभदायक

सकता है। प्रबीण श्रीवास्तव जैविक खेती के फायदे के बारे में कही से लाते हैं तो, मीठे 📰

कराते हैं। दस दिनों के बाद उनकी सजेरी की वेर्मिकम्पोस्टिंग जाती है। फिर उनको पांच दिनों तक दवा में रखते हैं। उसके बाद मुख्य तालाब में स्थापित करने के तरीके कर दिया जाता है। इस प्रकार हम मनमोती प्राप्त कर सकते हैं।

मोहित आनन्द पाटक उदेस हनीफार्य ने मधमकरती पालन एवं शहद उत्पादन की विधि में अवगत करागा। उन्होंने विधिन प्रजातियों के मधुमक्खियों के पालन के तौर

पानी में कम से कम दस दिनों तक अनकलित तरीको तथा उससे होने वाले आर्थिक रहण

की जानकारी दी। तीसरे सत्र में वैज्ञानिक विधि से बकरी पालन को किसानों के लिए बरवान बताया। प्रशिक्ति रमेदार ने दुनिया की सबसे लम्बी बकरियो जमुनापारी तथा एशिया की सबसे छोटी बकरियों में से एक व्लैक बंगाल की बकरियों के बारे में विशेष जानकारी देते हुए यह बताया कि कैसे किसानों के लिए फायदे का सीदा साबित हो

रहा है। अतिधियों का स्वागत आयोजन

रोतित आनन्द पाठक न संस्था द्वारा संचालित विभिन्न प्रकार की इन्टरप्रन्योर/ स्टार्टअप कार्यक्रमी के उद्देश्य व उससे होने वाले फायटों के बारे में बताया। जमीनी स्तर पर इन कार्यक्रम द्वारा स्वरोजगार विकसित किया जा सकता है। संचालन अधिनी कुमार निगम ने किया। इस अवसर पर पाचार्ग धर्मेन्द्र कमार सिंह, संजय कमार श्रीवास्तव, ब. आनंद प्रकाश सिंह, बा. ऑनन्द प्रकाश, दीपक विश्वकर्मा, अमरजीत सिंह

र्दा दिवसीय लेक्चर कम हैंडस आन ट्रेनिंग का शुभारंभ

मधुमवस्त्री पालन एवं शहद उत्पादन विधि की जानकारी दी

पररी मीमांसा संवाददाता

कालेज में नेशनल साईस डे पर रविवार को साइंस एएड सोमावरी विजान ग्रेम क्रियक से स्विधीय लेकर कम हैदस ऑन टेनिंग वर्कशॉप अववेरिनत हुआ। श्रेतांक पाठक उदेस पर्ल फार्म ने मोती बनाने वाले मिपियो को जब हम

सिन्हा ने किया। संयोजक विसीटी स्टार कालेज स्कीम हा. तुमुल सिंह ने कार्यक्रम प्रस्तृत किया। ही. सिंह ने बताया कि कोविड के दौरान प्रमान आर्थिक रूप से हमजोर होता चला गया। कई लोगों ने अपनी नौकरी मो है। उपको अवनीविका पर बहत गहरा प्रभाव पहा।

नेशनल साइंस डे पर दो दिवसीय विज्ञान मेले का हुआ आयोजन



वाराणसी। उदय महाविद्यालय स्वायत्तशासी रविवार को नेशनल साइंस डे दो दिवसीय विज्ञान मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर साइंस एंड सोसाइटी विज्ञान मेला विषयक लेकर कम हैंडस ऑन ट्रेनिंग वर्कशॉप में श्वेतांक पाठक उदेश पर्ल फार्म द्वारा मोती पालन पर दिया गया। उन्होंने कहा कि मोती बनाने वाले सीपीयों को जब हम कहीं से लाते हैं तो मीठे पानी में कम से कम 10 दिनों तक अनुकलित कहते हैं। 10 दिनों के बाद उनकी सर्जरी की जाती है फिर उनको 5 दिनों तक

दवा में रखते हैं। इस प्रकार हम मन चाहे मोती प्राप्त कर सकते हैं। दूसरा व्याख्यान मोहित आनंद पाठक उदेस हनी फार्म द्वारा मधुमक्खी पालन एवं शहद उत्पादन पर दिया गया। उन्होंने विभिन्न प्रजातियों की मधमिक्खयों के पालन के तौर तरीकों तथा उससे होने वाले आर्थिक लाभ का विस्तत विवरण प्रस्तुत किया। तृतीय सत्र में वैज्ञानिक विधि से बकरी पालन को किसानों के लिए वरदान साबित होना बताया। कार्यक्रम में डीबीटी स्टार कॉलेज डॉ तमल सिंह ने कहा कि कोविड के दौरान लोगों पर आर्थिक मंदी का बुरा असर पडा।

मीठे पानी के टैंक बनाना और सीपों को पालने की विधि बताई





वारणसी। युपी कालेज जंतू विज्ञान विभाग की ओर से विज्ञान मेला के दुसरे दिन सोमवार को छात्रों को उदेस फार्म भूमण कराया गया। श्रेतांक पाठक ने विद्यार्थियों को मीठे पानी के टैंक बनाने की विधि एवं उसमें सीपों को पालने की विधि बताई। उन्होंने सीपों करने की परी तकनीक की प्रैक्टिकल के

माध्यम से विद्यार्थियों को बताया। इस प्रक्रिया से कैसे मोती की खेती कर सकते है। साइनर मोती बनाने के सांचे बनाना, एवं उसका प्रयोग कर कैसे डिजाइन वाले मोती

उन्होंने कई डिजाइन वाले मोती भी दिखाए। जिसमें प्रमुख रूप से अंग्रेजी के अक्षरएवं साईबाबा, महावीर जी, गणेश जी की छवि वाले मोती बनाने का भी प्रशिक्षण की सर्जरी करना एवं उसमें नकलेउस इफ्लांट दिया। मोती की खेती में आने वाली दिखते जैसे सीपों की बीमारी एवं उसके उपचार के

लिए एंटीबायोटिक का उपयोग करना भी सिखाया। उदेश बी फार्म में मोहित आनंद पाउक, रोहित ने छात्रों को लकड़ी के बने अपियरी की बनावट एवं रख-संखाव की जानकारी दी। लीची के बागान, सरसों के खेत एवं अजवाइन की खेतों में किस तरह मधुमक्खी को बाहर छोड़ कर उनसे नेक्टर

कलेक्ट करने के बाद फिर उन्हें किस प्रकार

वापस अपिरी में लाया जाता है। उन्होंने

बताया कि इससे पैदाबार भी बढता है। शहद

निकालने की तकनीक का प्रशिक्षण भी दिया गया। शहद की गुणवत्ता एवं उसके उपयोग की विधि भी बताई गई। मध्मरिखयों के छत्ते से मोम निकालने की विधि एवं उसके उपयोग पर भी प्रकाश डाला गया।

तींसरे चरण में रमदार बकरी फार्म में बकरी के नस्लों को पालने एवं उसके चारे और साफ सफाई की व्यवस्था कैसे करे इस पर प्रशिक्षण दिया। हाइब्रिड बकरी की प्रजाति कैसे तैयार करते हैं ये भी बताया गया। सबसे के एक्सटैटशन की मशीन एवं उससे शहद ऊंची बकरी की नस्ले एवं सबसे छोटी गई। संयोजक डॉ.तुमुल सिंह ने बताया कि इस प्रकार के ट्रेनिंग प्रोग्राम छात्रों की जगरूकता बढती है एवं कार्यशाला से कौशल विकास एवं आनीविका के अवसर बढ़ते हैं। उन्होंने बताया कि नए अवसर तलाशने होंगे एवं रिकल इंडिया और स्टार्ट अप के लिए जमीन से जुड़ना होगा सत्तत भविष्य एवं खाद्य

संरक्षण एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है और सामाजिक एवं आधिक विकास के नए अवसर भी प्रदान कर सकता है। इस कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ धर्मेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि आने वाले समय में कालेज में एक सस्टेनेबल डेवलोपमेन्ट सेन्टर की स्थापना की जाएगी। जिससे भविष्य में इस प्रकार की ट्रेनिंग की व्यवस्था होगी। जिससे समाज एवं विज्ञान के प्रति जागरूकता बनी रहे। इस अवसर डॉ ब्रजेश कुमार सिन्हा, डा. अश्विनी कृमार निगम थे।

नौकरी नहीं,स्वरोजगार की ओर कदम बढाने की जरूरत

जागरण संवाददाता, वाराणसी : कोविड काल के दौरान कई लोगों की नौकरी चली गई। ऐसे में आजीविका चलाने के लिए हमें नौकरी के स्थान पर स्वरोजगार की

ओर कदम बढ़ाने की जरूरत हैं। नेशनल साइंस डे पर रविवार को यूपी कालेज में आयोजित दो दिवसीय लेक्चर कम हैंड्स आन ट्रेनिंग वर्कशाप के उद्घाटन सत्र का यह निष्कर्ष रहा। इस मौके पर श्वेतांक पाठक ने कहा कि कम खर्च में हम मोती पालन कर अच्छी आमदनी कर सकते हैं। इसके लिए मोती बनाने वाले सिपियों को मीठे पानी में कम से कम दस दिनों तक अनुकलित कराते हैं। दस दिनों के बाद उनकी सर्जरी की जाती है। इसके बाद पांच दिनों तक दवा में रखते है उसके बाद मुख्य तालाब में स्थापित कर दिया जाता है। इस प्रकार हम मनचाहे मोती प्राप्त कर सकते हैं। मोहित आनन्द पाठक ने मधुमक्खी पालन एवं शहद उत्पादन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अध्यक्षता प्राचार्य डा. धर्मेन्द्र सिंह. स्वागत डा. ब्रजेश सिन्हा, संयोजन डा. तुमुल सिंह व धन्यवाद ज्ञापन डा. अश्विनी कुमार निगम ने किया।

AIM OF WORKSHOP

Dramatic loss of human life worldwide, unprecedented challenge to public health, food systems and human resource are some of the major impacts of COVID-19 pandemic. The mutant Corona virus created several waves and peaks of this disease leading to recurrent lockdowns which has impacted and devastated our economic and social systems. Millions of people have lost their jobs, and are at the risk of falling into extreme poverty. These situations have led to a large number of undernourished people to find ways and means of livelihood and food security world over. Without the means to earn an income during lockdowns, many are unable to feed themselves and their families. For most, no income means no food, or less food and less nutrition. The pandemic has led to disruption in domestic and international food supply chains and reducing access to healthy and safe livelihood. We need to build back better, we need to learn to search for new means of livelihood for sustainable future guaranteeing the safety and health of all agro-food workers - from primary producers to those involved in food processing, transport and retail, including street food vendors. Protected incomes and recurring food supply chains will be critical to saving lives and protecting public health, people's livelihoods and food security. Bio-resources support the development of life sciences and bio industry. Bio-resources can be used as a tool for food security, rural livelihood and sustainable future. There is a need to strengthen human capacity to address modern challenges of bio resources and sustainability. This workshop aims to reach out to the students and farmers and train them regarding development of long-term sustainable strategies to address the challenges related to health and agro-food sectors and to make them aware of recent developments in agriculture sector. This may help in startup of small scale enterprises and will definitely improve their livelihood and future. This workshop also aims to develop communication and collaborations with budding entrepreneur to convey the ecological and economic significance of bio resources and their key role in bio economy and sustainable future.

PROGRAM SCHEDULE

The program will be organized in Hybrid mode both online and offline, the invited talks will be conducted in the Department of Zoology, Udai Pratap College (Autonomous), Varanasi on 27. 02. 2022 from 11.06 AM onwards and the practical sessions will be organized on 28. 02. 2922 at UDES Farm Harayaspur Village, Varanasi from 11.06 AM. The program will be available live on You Tube.

Hyperlink of YouTube: Zoology Department, U. P. Cellege, Varanati. https://youtube.com/channel/UCY2TExelM-shxVNlzkE-abus

E Certificate for participation will be given through Google Feedback Form link.

ORGANIZING COMMITTEE

Chief Patron

Hon'ble Justice D. P. Singh (Retd.)

President Governing Board

Udal Pratap College (Autonomous), Varanasi

Hon'ble Justice S. K. Singh (Retd.)

Secretary, Governing Board Udai Pratap College (Autonomous), Varanasi

Patron

Dr. Dharmendra Kumar Singh

rincipal,

Udai Pratap College, (Autonomous), Varanasi Members

Dr. Narendra Kumar, Dean Faculty of Science

Dr. V. B. Singh, Head Department of Physics

Dr. D. V. Singh, Head Department of Botany

Dr. N. P. Singh, Head Department of Chemistry

Dr. Abhishek Singh, Coordinator, Chemistry, DBT

Dr. Dayanand, P. Saha, Coordinator, Physics, DBT

Dr. Vivek Singh, Coordinator, Botany, DBT

Dr. S. K. Srivastava Coordinator, Zoology, DBT

Organizing Secretary

Dr. Brajesh Kumar Sinha Assistant Professor, Department of Zoology Dr. Ashwini Kumar Nigam Assistant Professor, Department of Zoology

Convener

Dr. Tumul Singh, Program Coordinator, DBT Mob: 8318581194

Invited Speakers

- Mr. Shwetank Pathak
 UDES PEARL FARM, Varanasi
- Mr. Mohit Anand and Mr. Rohit Anand
 UDES BEE FARM, Varanasi
- Mr. Rameda

RAMEDAR GOAT FARM, Varanasi

SCIENCE AND SOCIETY

VIGYAN MELA

27TH AND 28TH FEBRUARY 2022

ON THE OCCASION OF NATIONAL SCIENCE DAY 2622

UDAI PRATAP COLLEGE, VARANASI

(AN AUTONOMOUS INSTITUTION)

IS Organising A LECTURE CUM HANDS ON TRAINING WORKSHOP

ON

BIO-RESOURCES, FOOD SECURITY, LIVELIHOOD AND SUSTAINABLE FUTURE

Main Themes

Pearl Farming Goat Farming Apiary and Beekeeping



Under
DBT Star College Scheme,
Department of Biotechnology,
Govt. of India, New Delhi

Collaborator
JALAJ JEEVAN PATHAK
CO- FOUNDER AND DIRECTOR

AGRIKAASH www.agrikaash.com









• Renewable energy awareness campaign for farmers.





These activities were performed under the mandate of DBT star college scheme and Unnat Bharat Abhiyan scheme. We have adopted five villages i.e. Ganeshpur, Bhawanipur, Chamaw, Pisaur and Daniyalpur under the Unnat Bharat Abhiyan scheme and conducted the programs under targeted approach. Activities were also conducted at Chandauli, Badagaon and Bhelkha.

 Self employment training for women in Macrame thread designs, Pickle & Aam papad preparation.

























महिला सशक्तिकरण व स्वावलंबन केंद्र का उद्घाटन

वाराणार्थः (एशाएनकी)। उनतं भारत अभिक्र के अस्ति हत्य प्रस्प करिय के शक्तेर हे पात अरंथ इतिहारिक द्वार महिना मार्जनकाण एवं महावानंबन केंद्र का उट्यटन किया: बड़ते करें कि भार मरकार की मान्यवाधी योजन उनत भार अधिका के तरह गांव के विकास के लिए देन के बड़े र्वेदितक मानवार्थे को ओड़कर उन्हें पहले की विभोदरी ही रही है, विनाके क्रम में उत्त प्रश्नप क्रीनेज को भी सामग्र क्लॉक के यह सब व्यविद्यालया, अब्बरीया, विर्माट, क्लेक्यर, बक्ताओं की विम्मेद्यों किसी है। माधक कॉलेज प्राचार्य प्री वर्षेत्र सामार निष्, प्रोजेक्ट क्रेऑडिंक्टर प्रे हमल निष्ठ तथा सभी गांव की दीव करियेत्र के ही प्रध्यपकों के आर्थर धनाई र्श्व है। मई मल में स्थापत प्रावर्ष के नेतृत्व में रूपों पांचे संद की टीव संख करता गरीने में गर्स्स बरके मसम्बाधी को जनकर उनका यक्तवर किया जा रहा है।

दमिशानार में टीम जबर यंद की मीनवाजें, कियाते. एक राष्ट्राचे अर्थर में मंघर्क करके



वनई का सप्तर्भिक प्रदेशन दिय रवा। मात्र ही अरब अन्य महिन्य औ को अन्य, बाउरान आदि के अबत का प्रतिक्षम देका महिला मार्गाध्याम एवं प्रशासका बेट वा उद्घार वार्शक्षण के वहत अविति भारत आंभ प्रतिवर्धात्या मीडले तताब बाबोर्ड इस विन्य

अमे गमन्द्र क्षरी रहे वह क्रिस्टरों ने पूर्व परीते कमें आदि में अज्ञात होत लाग्ने में बागल प्रथमित होने तथा अधिक संबाद छवान होने बी बार बहाई। बकरी पालकों ने बकरी में मह पका रेंग होने से वर्ड करतियां बारे का दक्ष प्रकट किया और सरकार में असरोप किया कि जन्द ही कराएँ में को वैक्सीन लरहाने का प्रकृष करें, विवाने उसकी प्रेविका बालते हो। बुक्ति शंव में अधिकता अधिकवद अजिक्ति होते हैं इसरिए पढ़ने बाले बच्चें ने गव में ट्यहन की समाया कर्ता, प्रतिन्द औं ने रोजवार या होने औ इस अवसर पर नुस्तवार को डाव सफरवा बसई और टीम से बोर्ड स्वरोजवा मे मंबरित मटट के लिए अमृति विश्व, दिसके स्थत 26 गई में 50 महिलाओं को मेक्से हात रवा : जिसमें परजीओ चेकार्बर की आहिता राज विदे बरिय्द वैद्योग्य उत्तर भारत अभिक्रम प्रेपेक्ट को ऑडिनेटर प्री नुपल सिह टनिवासरा की कोलेज दीव, प्रे अपने प्रकात शर्म, मानित प्रसार, महिक्स रिटाने, सीच को आहिरेटर सर्थित के आहे. बांधाना को आहिरेटर ावेल स्थित, अर्थारी हेड गीव खेळान, सार्वेस्टर हेड अभिकेत समी, देश आतेशी शुन्त, औदीका अपूर्त सिंग, गुपित श्वन्त, एत् स्वीत पाउनेत वेंग्र. ताल प्रकार मंत्रेप पारोप तब गर्मत र्शन्य वर्गलेज के मनत्रक, प्रतमनत्रक विद्यार्थ आदि उपनिवत रहे। बार्यक्रम में ग्रम सभा द्यानकारूर के सभागद शेविद प्रकट गिह ने धनवाट जिप्त किया।

यूपी कॉलेज की टीम ने दनियालपुर के लोगों की जानी समस्या, सुझाए उपाय



वाराणसी (एसएनबी)। उन्नत भारत अभियान शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की योजना के तहत दानियालपुर ग्राम में उदय प्रताप कॉलेज की टीम द्वारा माह मई मे लगातार भ्रमण किया जा रहा है। गांव के लोगो से संपर्क करके गांव में स्थित समस्याओं को जाना जा रहा है। सर्वप्रथम टीम कंपोजिट विद्यालय,दानियालप्र में जाकर वहां के प्रधानाध्यापक, शिक्षक एवं बच्चो से संपर्क करके विद्यालय की समस्याओं को देख रही है स्कूल के प्रधानाध्यापक ने विद्यालय में जमीन. चहारदीवारी,अतिरिक्त कक्ष ना होने की समस्या बताई।

गांव में रोजगार की समस्या अधिक होने से किसानों को मशरूम खेती,मध्मक्खी पालन, जैविक खेती आदि के लिए जागरूक एवं उत्साहित किया गया। महिलाओं के स्वरोजगार के लिए आज उदय प्रताप कॉलेज एवं भारत सरकार के अधिकृत भारत आरंभ इनिशिएटिव द्वारा सात दिवसीय कार्यशाला का सभारभ गाँव के कंपोजित विद्यालय मे किया गया। इस कार्यशाला मे 35 महिलाओं को आज मैक्रमे से बनाई करने की टेनिंग दी गयीद्य आने वाले दिनों मे उन्हें अचार, मुख्बा आदि बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस मौके पर डॉ.आदित्य राज सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक सुमित खन्ना, हर्षित केशरी,आरोही गुप्ता, रवि खेतान डिजिटल मार्केटिंग उपस्थित

योजना के उद्देश्यों को ग्राम दानियालपर में पुरा करने के लिए उदय प्रताप कॉलेज के प्राचार्य प्रो.धर्मेंद्र कुमार सिंह के संरक्षण में एक टीम तैयार की गई है, जिसकी कोआर्डिनेट डॉ तुमुल सिंह , सबकोर्डिनेट डॉ संजय श्रीवास्तव तथा अन्य सहयोगी शिक्षक असि. प्रो.अग्नि प्रकाश शर्मा, असि. प्रो. सौविक गरानी, असि. प्रो.सुमित प्रसाद है।

• Training on crop rotation and integrated pest management.











 Village survey to understand the power loom based local economy and problems faced by the weavers so that students become aware of the economic opportunities in the local market and the problems faced while running a business.







Market survey to understand the dynamics of vegetable price variation and related inflationary points so as to make students aware of the supply chain problems while also

यूपी कालेज के छात्रों ने किया पहडिया मंडी का भ्रमण

स्पीक द वर्ल्ड

वाराणसी। यूपी कालेज में कृषि अर्थशास्त्र विभाग के द्वितीय एवं

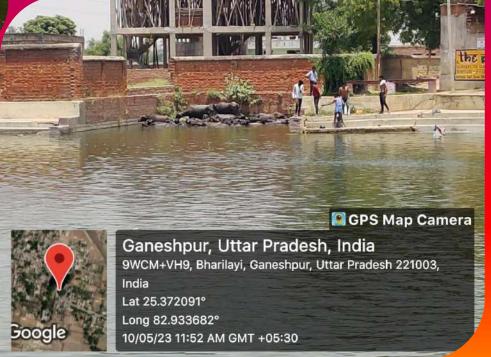


चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों के प्रायोगिक ज्ञानवर्धन हेतु फल एवं सब्जी मण्डी समिति, पहंडिया का भ्रमण कराया गया। भ्रमण में मण्डी समिति के सचिव देवेन्द्र वर्मा एवं उनके सहयोगियों ने फल व्यापारियों (यथा केला कीवी, सेव, नारियल, अनन्नास) तथा सिब्जियों में (लहसुन, प्याज, आलू, अदरक आदि) खरीद एवं बिक्री मण्डी शुल्क आदि के बारे में छात्रों से संवाद कराया गया। छात्रों ने मण्डी की कार्य प्रणाली से सम्बन्धित प्रश्न मण्डी के सचिव व व्यापारियों एवं उपभोक्ताओं से किया जिसका जवाब सचिव एवं उनके सहयोगियों द्वारा छात्रों को विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी। भ्रमण के दौरान मुख्य रूप से विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग डॉ. सन्त कुमार सिंह एवं विभागीय सहयोगी डॉ. कुमार एवं दुष्यन्त कुमार शामिल थे।



Water Conservation Awareness for villages.

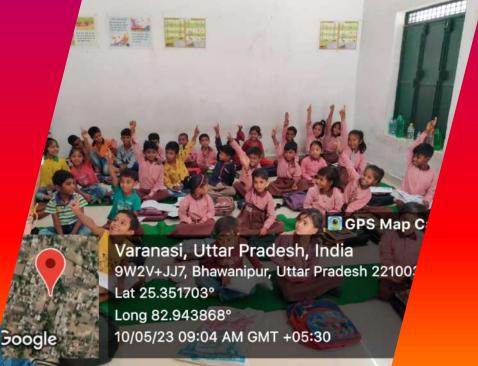




Visits to the Government primary schools to help with Nipun Bharat aims







Sensitisation of the students towards need of proper nutrition and why the government is taking measures to ensure the same.







Social and National Development:

In sync with our ethical responsibility to develop better citizens with sense of staunch patriotism we have been organizing following activities. These activities have been conducted by our NSS, NCC and Rovers Rangers units.

- Drug Eradication Awareness campaigns and seminars
- **❖** Natural Disaster Awareness and mitigation training programs.
- River and neighborhood cleanliness drives.
- Covid pandemic awareness programs.
- Voter Awareness Programs.
- **Environmental conservation campaigns.**
- * Road safety and Traffic rule awareness programs.
- **Community sensitization on risks of occupational diseases.**
- **❖** National Integration and Security risks seminars.
- **❖** Various programs to highlight G-20 presidency of India.
- **❖** Various programs to celebrate Azaadi ka Amrit Mahotsav.

Lecture programs on Community Health and Environment





न्धं विश्वविद्यालय के रनातकोत्तर बायोटेक्नोलॉजी विभाग में मनाया गया इंटरनेशनल डे ऑफ इम्युनोलॉजी

चिकित्साविज्ञानियों की आयुर्वेद में बढ़ी रुचि

बोले कुलपति

बोधगया, निज संघाददाता। पिछले कछ वर्षों में दनियाभर के चिकित्सा विज्ञानियों की आयुर्वेद में रुचि बढ़ी है। कोरोना काल में भारत की आयुर्वेद पदित काफी कारगर साबित हुई। आयुर्वेद में प्रकृति की एक अनुठी अवधारणा है। आयुर्वेद पद्धति से हम स्वस्थ जीवन जीने की कला को और अच्छे तरीके से जान सकते हैं।

उक्त बातें मगध यनिवर्सिटी स्नातकोत्तर वायोटेक्नॉलोजी विभाग एवं जन्तु विज्ञान विभाग में आयोजित कार्यशाला में कुलपति प्रो. एसपी शाही ने कहा। शनिवार को विभाग में इंटरनेशनल डे ऑफ इम्बनोलॉजी

इसके पहले बतौर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. शाही ने दीपजलकर कार्यक्रम का उदचाटन किया। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि भारत के आयुर्वेद पद्धति को अपनाते हुए हमने कोरोना महामारी में अपने

बायोटेक्नॉलोजी के कार्यशाला में कुलपति प्रो. शाही हुए शामिल
 कार्यशाला कें आयुर्वेद के विशेषताओं पर होती रही वर्चा



प्रतिरक्षा को मजबूत बनाए रखा। भारत में ही कोविड- 19 वैक्सीन सबसे पहले तैयार किया गवा। जो अन्य वैक्सीन से सस्ता था एवं दनिया को इलाज का फायदा मिला। उन्होंने

इस कार्यक्रम की प्रशंसा की। प्रति कुलपति प्रो. बीआरके सिन्हा ने प्राकृतिक प्रतिरक्षा प्रणाली पर प्रकाश डालते हुए अपने अनुभव सहज्ञा की। प्रो. रहमत जहां ने प्रतिरक्षा को बढ़ाने

विचज में छात्र-छात्राओं ने लिया हिस्सा

कार्यक्रम में विवज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें नकली बच्चे और बायोटेक, जन्तु विज्ञान विभाग के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। विवाज प्रतियोगिता में करित्रा पटेल एवं सुहानी कुमारी, दीपाजली कुमारी ने अच्छा प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का आयोजन बायोटकरोजी विभाग, अर्द्धवयुएसी एमयू और इंडीयन इम्युनोलॉजी सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में हुआ।

प्रो. शाही की अगुवाई में मिलेगा ए ग्रेड: सिद्धनाथ

कार्यक्रम में उदय प्रताप महाविधालय, वाराणसी से प्रो डॉ. तुमुल सिंह एवं संतीश प्रताप सिंह मुख्य ववता थे। कार्यक्रम की शुरुआत बायोटेन्सेलीजी विभाग के प्रभारी प्रो. सिद्धनार्थ प्रसाद यादव दीन के स्थागत भाषण से हुआ। उन्होंने कहा कि कुलपति प्रो., एसपी शाही के अमुवाई में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। विश्वविद्यालय में शैक्षणिक माहौल तेजी बनने लगी। इसमें सभी का सहयोग जरूरी है। उनके नेत्रल मे ममध विश्वविद्यालय नेक का ए ग्रेंड अवश्य प्राप्त करेगा। इस कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. दिलीय कुमार केसरी, डॉ. भृगुनाव, डॉ. एलके उरूण (सहसंयोजक), डॉ. सरकराज अली. डॉ. बिरेन्द्र कुमार, डॉ. आदिती कुमारी, पुनम सिंह, आभा कुमारी, डॉ. एन के बांद, मी. दानीस मसरूर एवं रोशन कुमार, बलवीर सिंह, गीतम कुमार, अकिल अहमद, राकेश कुमार एवं अन्य कर्मवारी बद्धचढकर हिस्सा लिया।

हुए लोगों को क्वालिटी कल्चर) पेजकेशन पर जोर दिया।

प्रो. तमल सिंहा ने आधारभृत व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में प्रतिरक्षा प्रणाली पर व्याख्यान देते हुए । छात्राएं मौजूद रहे ।

के प्राकृतिक स्रोतों का वर्णन करते | छात्रों और शोधार्थीयों को लाभान्वित किया। सतीश प्रताप सिंह ने प्रतिरक्षा प्रणाली एवं प्रतिरक्षा निर्माण पर विशे



Investor Awareness Campaign for students in association with SEBI.



बज व वस्तवस्त्र दकर स्वागत । त्रपाठा, ।वकात, ।दनश ।सह, उपास्थत रह

सेबी के संयोजन में निवेशक जागरूकता का हुआ आयोजन

बाराणसी। उदय प्रताप स्वायत्तरासी महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में सोमवार को भारतीय प्रतिभृति चिनिमय बोर्ड के संयोजन में निवेशक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया! इस कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य दों धर्मेंद्र कुमार सिंह के द्वारा राजियं जी के चित्र पर माल्यापंच व दोच प्रज्वलन कर कराया गया! कार्यक्रम के शुभारंभ में प्राचार्य डां धर्मेंद्र कुमार सिंह ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते



हुए कार्यक्रम की रूपरेखा वतायो। सेवी की ओर से आए हुए दौपक कुमार ने निवेश हेतु निर्णय, निवेश हेतु बेहतर विकल्प फाँड से बनाव सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट, म्यूनुअल फंड में इन्वेस्टमेंट फंड मैनेजर का रोल आदि के खारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि किस प्रकार निवेश से सुरक्षा के

साथ प्रतिफल भी प्राप्त कर सकते हैं! विभिन्न प्रकार के व्यावहारिक उदाहरण और जानकारियों के द्वारा इस कार्यक्रम में प्रभावी तरीके से यह समझाने का प्रयास किया गया कि सुर्राक्षत नियंश बसा है? कहां पर पैसा लगाएंगे तो वह सुरक्षित रहेगा! कार्यक्रम का संबोबन एवं संवालन अर्थश्वास्त्र विभाग के व्या अनूप कुमार सिंह ने किया! इस कार्यक्रम में कुल 67 शिक्षकों एवं कर्मवारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अन्त में धन्यवाद जापित डा.माँद प्रताप सिंह ने किया।

中市市市市市

Raising awareness about Start up ecosystem and encouraging students to take up entrepreneurship.



स्टार्टअप इंडिया के तहत चल रही योजनाओं से कराया अवगत युपी कालेज में कैरियर एंड स्टार्टअप इको सिस्टम इन इंडिया विषयक वर्कशाप

आईक्यएसी की ओर से कैरियर एंड स्टार्टअप इको सिस्टम इन इंडिया पर एक दिवसीय वर्कशाप का आयोजन

युवाओं की संख्या है। सभी युवाओं की प्रतिभा, बौद्धिक क्षमता अलग-अलग होती है। इसलिए अपनी क्षमता और कौशल के अनुसार कार्य हुआ। मुख्य अतिथि सीनियर करना चाहिए। सपनों को पूरा करने



साईटिस्ट डीआरडीओ एनसीआरआई मेंबर आफ स्टार्टअप इनक्यबेशन सेंटर आईआईटी, कानपर डाक्टर आदित्य ने भारत सरकार द्वारा स्टार्टअप इंडिया के तहत चलाये जा रहे सभी योजनाओं के बारे में बताया है। बैंक से कैसे और कितना लोन कि भारत की जनसंख्या विश्व की भिलता है, आदि मुख्य बिंदुओं पर

जा रहे विभिन्न योजनाओं और लाभ के बारे में बताया कि किस कार्य कैसे करना चाहिए, इस पर भारत सरकार दारा कौन कौन सी मदद की जा रही प्रकाश डालते हुए छात्रों को रोजगार की शिक्षा प्रदान की। कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर नरेंद्र प्रताप सिंह ने स्टार्टअप कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे युवा वर्ग खुद का रोजगार उत्पन्न करके दूसरों को भी रोजगार प्रदान कर सकता है। अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ प्राध्यापक प्रोफेसर नरेंद्र कमार ने कहा कि कोई भी देश कितना अमीर हो लेकिन अपनी जनसंख्या का लगभग 30 से 40 प्रतिशत तक को ही सरकारी नौकरी प्रदान कर सकता है। इसलिए देश की उन्नति के लिए सरकार की महत्वाकांक्षी योजना स्टार्टअप इंडिया को बहुत अच्छा बताया। इससे युवा पीढ़ी हताश होकर गलत रास्ते में नहीं भटकेगी। वह खुद अपने रोजगार से देश के विकास में मदद करेगी। संचालन आयोजन सचिव डाक्टर अग्नि प्रकाश शर्मा और धन्यवाद जापन डाक्टर नरेंद्र कमार ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर देवेन्द्र कुमार सिंह युजीसी (कार्डिनेटर)प्रोफेसर एस.के. शाही, डाक्टर संजीव कुमार सिंह, डाक्टर आशतोष गप्ता, डाक्टर

स्नील सिंह, डाक्टर प्रताप गौतम, डाक्टर सत्येंद्र सिंह आदि थे।



Traffic awareness and Environmental protection rallies/seminars











atitude

25.3553108°

Local 08:52:35 AM GMT 03:22:35 AM Longitude 82.9749406°

Altitude 83 meters Monday, 05.06.2023



atitude

25.35536557501152°

Local 07:43:02 AM GMT 02:13:02 AM Longitude

82.97480013959682°

Altitude 83 meters Monday, 05.06.2023



S-25/108, B-5, Sindhora Rd, Narayanpur, Varanasi, Uttar Pradesh 221003, India

Latitude

25.355019473247633°

Local 07:30:50 AM GMT 02:00:50 AM Longitude

82.97519710229918°

Altitude 84 meters Monday, 05.06.2023



राजर्षि की बगिया में लगे 251 फूलों के पौधे



वाराणसी। राजर्षि की विगया उदय प्रताप कॉलेज में मंगलवार को 251 फूलों के पौधे लगाए गए। यह पौधरोपण पर्यावरण संरक्षण के लिए मनाए जा रहे वन महोस्सव के तहत लगाए गए।

सुजन सामाजिक विकास न्यास की ओर से आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में एनसीसी, एनएसएस के विद्यार्थियों और भारत विकास परिषद शिवा शाखा ने हिस्सा लिया। गंगा हरीतिमा के ब्रांड एंबेसडर अनिल सिंह ने सभी को पौधरोपण की शपथ दिलाई। लोगों से खुद की जन्मदिन पर कम से कम एक पौधा लगाने के लिए जागरूक किया। सेवानिवृत्त वन अधिकारी मदन राम चौरसिया ने बताया कि वन महोत्सव देश में हरियाली लाने की दिशा में एक आंदोलन का प्रतीक है। हरित पर्यावरण की जीवंतता, विविधता, और प्राकृतिक सौंदर्य को बनाए रखना हमारा कर्तव्य है। इस दौरान मुख्य अतिथि वन अधिकारी संजीव कुमार सिंह ने सीताफल और प्रधानाचार्या डॉ. डीके सिंह ने प्राइड ऑफ इंडिया के पौधे लगाए। संवाद

Seminars on National Security and its association with developmental path



यूपी कालेज में 'समावेशी विकास व राष्ट्रीय सुरक्षा' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी

स्वतंत्रता के बाद गांधीजी की अहिंसा का था व्यापक प्रभाव : प्रो. उदय

वाराणसी (एसएनबी)। समावेशी विकास एवं राष्ट्रीय सुरक्षा को भारत सरकार को जी 20 की अध्यक्षता प्राप्त होने एवं उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप उदय प्रताप स्वायत्तशासी कॉलेज में 'समावेशी विकास एवं राष्ट्रीय सुरक्षा' विषय पर एक दिवसीय संगोध्ती का आयोजन किया गया। सख्य अतिथि प्री, उदय

बेहतर व्यक्ति और बेहतर समाज को बनाने के लिए समावेशी विकास की आवश्यकता: संतोष कुमार सिंह

प्रताप सिंह प्राचार्य एवं प्रो. लाजपत राय कॉलेज गाजियाबाद ने आंतरिक और वाह्य सुरक्षा पर भारत की नीतियों पर प्रकाश डालके हुए बताया की स्वंत्रतता के बाद गाँधी जी की अहिंसा का व्यापक प्रभाव था। 1962 में चीन के आक्रमण के बाद हमें बहुत सीखने को मिला। पूर्व पीएम लाल वहादुर शास्त्री ने विकास के मॉडल को प्रतिध्वतित करते हुए जय जवान, जय किसान का नारा दिया उसे आगे चल कर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई ने जय जवान, जय



किसान, जब विज्ञान तक पहुंचा दिया। पीएम नरेंद्र मोदी समावेशी विकास के मॉडल को ही सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के रूप में व्यक्त करते हैं।

विशिष्ट अतिथि संतोष कुमार सिंह एडिशनल पुलिस कमिश्नर वाराणसी ने विकास को भगवान विष्णु के दशावतार से सम्बद्ध करते हुए बताया की कबीलाई समाज से राजतंत्र एक अनवरत विकास की प्रक्रिया है धर्म सामाजिक नियंत्रण के लिए उत्तरदायी था तथा बेहतर व्यक्ति और बेहतर समाज को बनाने के लिए समावंशी विकास की आवश्यकता है। अध्यक्षीय सम्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य ग्रे। धर्मेट्स कुमार सिंह ने कहा विकास और राष्ट्रीय सस्क्षा एक दसरें के एक दसरें के एक है एवं भारतीय संविधान में भी समावेशी विकास की बात कही गयी है। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारम्म मंचासीन अतिथियों के राजिं के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के पश्चात

प्रारम्भ हुआ। संगोध्दी की संयोजक प्रो. अंजू सिंह ने विषय प्रवर्तन करते हुए समावेशी विकास की परिकल्पना को पंडित दीन दयाल पराध्याय के एकात्मवाद से सम्बद्ध करते हुए, बताया की हमारे प्राचीन ग्रंथों में सभी समस्यायों का समाधान है। संगोध्दी में पूर्व ग्राचार्य प्रोफेसर एसके सिंह, प्रो. सुधीर कुमार साही, कला संकाय अध्यक्ष प्रो. चंद्रप्रकाश सिंह, डिटरी चीफ प्रॉक्टर प्रो पंकज कुमार सिंह, प्रोफेसर राजीव रंजन सिंह, डॉ अनुराग उपाध्याय, डॉ. अनिल कुमार सिंह, हिन्दी विभाग के प्रो. अनिल कुमार सिंह प्राचीन इतिहास एवं चंदन कुमार की उपस्थित रही। संचालन डॉ सत्य सरण व धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव अग्नि प्रकाश शर्मा वे किया। • Seminars and Workshop on awareness about National progress







Sensitisation on rural development issues









Cleanliness Awareness Campaigns







Youth Parliament and other events for youth awareness















National Integration, Tiranga Yatra and Meri Mati Mera Desh events

















Evidence of Success:

Unnat Bharat Abhiyan: Awareness in community about government schemes and establishment of Mahila Sashaktikaran evam Swavlamban Kendra in collaboration with NGO Grameen Gaurav Enterprising under Bharat Aarambh Initiative. It is catering to the needs of self employment generation and women empowerment in adopted villages.

National Cadet Corps:

Amit Kumar Rai participated in the Independence Day parade in 2022 and received DG NCC commendation card. NCC cadets Shardul Vikram Gupta and Aman Singh participated in All India Thal Sainik camp in 2021-22 and Anuj Mishra participated in the same in 2022-23. NCC battalion headquarter in UPC campus caters to the need of 18 colleges of the adjoining areas. It has a firing range to facilitate better training for the cadets.

Problems encountered:

During our outreach and extension activities we encountered following issues

- Community reluctance for repeated engagement.
- Poor awareness of welfare and empowerment programs.
- Absence of coordination with relevant government departments.
- Prevailing prejudices in communities leading to inertia for change.
- Unrealistic expectations from communities in terms of facilities and support.
- Adverse effects on the academic time management for the students and teachers.
- Insufficient budget and unrealistic timelines for continuous monitoring, impact assessment and documentation.

Colleges should be encouraged to get DBT Star Scheme and Unnat Bharat Abhiyan schemes in their campuses. These schemes and their mandates facilitate social engagement with neighboring communities and partially alleviate paucity of funds for outreach and extension activities.

Thank You
Jai Rajarshi
Jai Hind